मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड, नागपुर में राजभाषा हिन्दी में कार्य करने की दिशा में कार्यो में हो रही प्रगति पर एक अवलोकन

.....

मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड,इस्पात मंत्रालय के अधीन एक'मिनि रत्न' सार्वजनिक उपक्रम है ! जिसकी महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश राज्य में मैंगनीज अयस्क की 10 खदानें कार्यरत है ! साथ ही महाराष्ट राज्य के भंडारा जिले में स्थित डोंगरी बुजुर्ग खान पर इलेक्ट्रो मैंगनीज डायऑक्साईड संयंत्र तथा मध्यप्रदेश के बालाघाट खान पर फैरो मैंगनीज संयंत्र कार्यरत है ! वर्तमान में कम्पनी की मानव शक्ति लगभग 6997 है !

हाल ही में इस मिनी रत्न कम्पनी को " इंटरनैशनल मैंगनीज इन्स्टीट्यूट ' पेरिस,फांस का सदस्य मनोनीत किया गया है ! संपूर्ण भारत वर्ष के मैंगनीज उद्योग में मॉयल एकमात्र कंपनी है जिसका इस अन्तर्राष्ट्रीय संस्था में सदस्य के रूप में चयन किया गया है !

यहां के कर्मचारी / अधिकारी में हिन्दी के प्रति प्रेम और रूचि बहुल मात्रा में देखने को मिलती है ! लगभग 95 प्रतिशत कर्मचारी हिन्दी का ज्ञान रखते है ! राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन योजनाओं निरन्तर कार्यान्वित किया जाता रहता है ,जिसका संक्षिप्त विवरण नीचे दर्शायेनुसार है :-

हिन्दी कार्यशालाएं :

कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है ! इस प्रकार नवम्बर 2006 तक 80 हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गई है जिनमें अब तक करीबन 1890 कर्मचारी /अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया !

कार्य निष्पादन...

1) संस्थान का मुख्य कार्यालय एवं सभी इकाईयां राजभाषा अधिनियम 10 (4) के अंतर्गत राजपत्र में अधिसूचित है !
2) संस्थान की सभी विज्ञप्तियां ,आदेश,विज्ञापन,परिपत्र,टेंडर फार्म तथा टेंडर इनक्वायरीज द्विभाषी रूप में जारी की जाती है !
3) संस्थान के सभी कोड,मैनुअल द्विभाषी है :- जैसे --
   1. स्थाई आदेश 2. क्रय कार्य विधि 3. कर्मचारी आचरण नियम 4. भर्ती और पदोन्नति नियम 5. अवकाश नियम 6. शिकायत प्रक्रिया 7. नागरी अभियांत्रिक कार्य प्रणाली 8. वाहन क्रय हेतु अग्रिम धन राशि स्वीकृति तथा वसूली नियम 9. दैनिक भत्ता एवं वाहन भत्ता नियम 10. सुझाव पेटी नियम 11. चिकित्सा नियम इत्यादि !
4) 'क' तथा 'ख' क्षेत्र की सभी इकाईयों पर कामगारों संबंधी सभी कार्य केवल हिन्दी में ही किये जाते हैं ! जैसे रजिस्टरों में उपस्थिति, वेतन रजिस्टर,वेतन पत्र,अवकाश के आवेदन पत्र एवं उनके कार्य विवरण आदि !
5) कामगार/कर्मचारियों/अधिकारियों की इनक्वारियां केवल हिन्दी में की जाती है !
6) कामगारों/कर्मचारियों से संपूर्ण पत्राचार केवल हिन्दी में किया जाता है !
7) सर्विस पुस्तकों में प्रविष्टियां हिन्दी में होती है !

8) छुट्टियों को लेखा-जोखा हिन्दी में किया जाता है !
9) वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन में मूल्यांकन द्विभाषी लिखा जाता है !
10) समाचार पत्रों में विज्ञापन एवं विज्ञप्तियां हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में साथ साथ प्रकाशित किए जाते है !
11) हिन्दी में प्राप्त होने वाले सभी पत्रों के उत्तर अनिवार्य रूप से हिन्दी मे ही दिये जाते है !
12) सभी अधिकारियों से आग्रह किया गया है कि अपना निजी काम हिन्दी में अवश्य करें !
13) फाइलों पर टिप्पणी के अंत में अपने हस्ताक्षर हिन्दी में करें, भले ही टिप्पणी अंग्रेजी या हिन्दी में लिखी हो !
14) मंत्रालय में समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) हिन्दी एवं अंग्रेजी में हस्ताक्षर होता है !
15) अपने अपने स्तर पर जारी हिन्दी अथवा अंग्रेजी पत्रों पर हस्ताक्षर हिन्दी में करें !
16) सभी अधिकारी/कर्मचारी अपना मासिक वेतन लेने के लिए हस्ताक्षर केवल हिन्दी में करे
17) 'क' तथा 'ख' क्षेत्र में स्थित राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र की सरकारी कार्यालयों का पत्राचार संपूर्ण कार्य केवल हिन्दी भाषा में किया जाता है !
18) मुख्यालय के अलावा सभी इकाईयों में राजभाषा अधिकारी का कार्य करने हेतु कार्मिक/कल्याण अधिकारियों को नामांकित किया गया है !
19) हिन्दी कार्यान्वयन समिति के अतिरिक्त सभी इकाईयों पर एक उप हिन्दी कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है !
20) संस्थान की सम्पूर्ण स्टेशनरी द्विभाषी है !

21)फाइलों पर संस्थान का ''लोगो'' द्विभाषी बना लिया गया तथा फाइलों पर शीर्षक/विषय हिन्दी में अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखे जाते है !

22)विभागों में उपयोग में आने वाली रबर की मोहरें द्विभाषी है !

23)नामपट्ट तथा बिल्ले द्विभाषी है !

24)प्राप्त तथा प्रेषण रजिस्टरों में प्रविष्टियां हिन्दी में की जाती है ! लिफाफों पर पते हिन्दी में लिखे जाते है !

25)संस्थान में 54 हिन्दी-अंग्रेजी कम्प्यूटर है जिससे हिन्दी का कार्य में वृद्दि हुई है !

26)कम्प्यूटर पर हिन्दी सॉप्ट वेयर लोड किया गया है !

27)कर्मचारियों का हिन्दी शब्द भंडार निरन्तर बढाने की दृष्टि से प्रत्येक दिन मुख्य कार्यालय तथा इकाईयों में एक अंग्रेजी शब्द का हिन्दी पर्याय श्याम-पट पर लिखा जाता है !

28)संस्थान की त्रैमासिक गृह पत्रिका हिन्दी अंग्रेजी द्विभाषी में प्रकाशित की जाती थी किन्तु अब पत्रिका पूर्ण रूप से हिन्दी में प्रकाशित की जाती है और गृह पत्रिका का नाम बदलकर ''संकल्प'' किया गया है ,जिसके अब तक चार अंक प्रकाशित हो चुके हैं !

29)मुख्य कार्यालय तथा संस्थान की प्रत्येक इकाईयों में हिन्दी सप्ताह /पखवाडा नियमित रूप से मनाया जाता है !

30)हमारा संस्थान का मुख्य रूप से कार्य तकनीकी है ! तकनीकी विषयों पर पत्राचार की सुविधा के लिए ''हिन्दी शब्द चयनिका'' नाम से अंग्रेजी-हिन्दी शब्दावली प्रकाशित की गई जिसमें हिन्दी तकनीकी शब्दों के साथ साथ प्रशासनिक, लेखा,नागरी अभियांत्रिकी, भू-वैज्ञानिक विषयों के अंग्रेजी-हिन्दी शब्दों का समावेश किया गया है ! यह हिन्दी शब्द चयनिका सभी विभागों एवं इकाईयों में प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई है, जिसके फलस्वरूप हिन्दी पत्राचार में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है !

31)विभिन्न संस्थानों से राजभाषा संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है, जिसमें हमारे संस्थान के हिन्दी अधिकारी को हिन्दी के विशिष्ठ विद्वानों के मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धी के रूप में भेजा जाता है जिसके परिणाम स्वरूप हमें राजभाषा संस्थान द्वारा आलेख प्रस्तुतीकरण में द्वितीय स्थान प्राप्त कर शील्ड प्राप्त हुई है !

प्रोत्साहन योजनाः

(1) प्रतियोगिताएं :

हिन्दी में कार्य करने की दिशा में कर्मचारियों को प्रेरित करने की भूमिका में मुख्य कार्यालय एवं इकाईयों में समय समय पर निबंध, वाक्, कहानी, स्मृति, अंग्रेजी-हिन्दी प्रर्याय शब्द,कविता,प्रश्नोत्तरी,स्लोगन एवं सुझाव प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है ! इन प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रतियोगी को प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाता है !

संस्थान में प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ‘क’ एवं ‘ख’ क्षेत्र में पत्राचार प्रतियोगिता के अंतर्गत इकाईयों एवं विभागों को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार के लिए शील्ड एवं कप प्रदान किए जाते है !

(2) पुस्तकालय :

संस्थान के मुख्यालय एवं सभी इकाईयों पर पुस्तकालय स्थापित किए गए है एवं प्रति वर्ष हिन्दी की पुस्तकें खरीदी के लिए लगभग **एक लाख** रूपये आबंटित किये जाते है जो निर्देशित बजट से अधिक है !

प्रगति विवरण :

(1) हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति को देखते हुए वर्ष की समाप्ति तिमाही में आंकडे नीचे दिये अनुसार है :-

	पिछली वर्ष का प्रतिशत		इस वर्ष का प्रतिशत	
	क क्षेत्र	ख क्षेत्र	क क्षेत्र	ख क्षेत्र
31.3.2003	83.55	--	81.04	86.05
31.3.2004	81.04	86.05	75.62	83.72
31.3.2005	75.62	83.72	76.88	83.77
31.3.2006	76.88	83.77	91.06	93.00
30.9.2006 तिमाही तक	91.06	93.00	94.32	95.38

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकः

(1) मुख्यालय तथा इकाई स्तर पर नियमित तौर पर हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक ली जाती है !

(2) श्री कृष्ण कुमार ग्रोवर - केन्द्र सरकार हिन्दी सलाहकार समिति द्वारा नामित राजभाषा प्रेक्षक द्वारा तिमाही में निरीक्षण किया जाता है तथा उनके द्वारा निर्देशित सुझावों को अमल में लाया जाता है !

अब तक श्री ग्रोवर द्वारा मॉयल के तीन निरीक्षण दौरे दिनांक 21.2.06, 22.5.06 एवं 18.8.06 हो चुके है जिसमें निरीक्षण ,हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं कार्यशालाएं आयोजित की गई !

उपलब्धियां ...

संस्थान में हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति का देखते हुए इस्पात मंत्रालय एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से लगातार पुरस्कृत किया जा रहा है,जिसका ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :-

इंदिरा गांधी पुरस्कार से पुरस्कृत इस संस्थान को इस्पात एवं खान मंत्रालय द्वारा लगातार 10 वर्षो तक चल वैजयंती का प्रथम पुरस्कार पाते रहने के कारण यह पुरस्कार स्थाई रूप से प्रदान कर दी गई !

इस संस्थान को 8-11-2001 को सहस्त्राद्वि शील्ड पुरस्कार पाने का गौरव प्राप्त है !

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ,नागपुर द्वारा भी प्रथम पुरस्कार अनेक शील्ड प्राप्त हुए !

राजभाषा संस्थान नई दिल्ली की ओर से आलेख प्रस्तुती के लिए अक्टूबर 2005 को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया !

हाल ही में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नागपुर द्वारा मॉयल की गृह पत्रिका ''संकल्प'' को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया !

....